



shahtimes2015@gmail.com

આયાદ કૃષ્ણ પણ્ડી 2 વિક્રમી સમ્વત 2082

16 જિલ્હેની 1446 હિજરી

નેંદ્ર દિલ્લી, મુજામ્પકરનગર, વેહાર્ડ્રોન, હલ્ડાનો, મુરાવાદ, બેલો, મેઠ વ લખનક સે પ્રકાશિત



દ્રગ ને મસ્ક કી માણી સ્વીકારી કી વિસ્તૃત ખબર દેશ-વિદેશ પર

દર ગેડ પર ચુન્ઝોતી પેશી કરેં ભારતીય ફ્રિક્ટેન્ટ: ગંગીત વિસ્તૃત ખબર ખેલ ટાઇટલ પર

કટરા-શ્રીનગર વંદે ભારત એક્સપ્રેસ મેં રિકૉર્ડ બુકિંગ

જામ્સ-કર્સાર મેં

શ્રીનગર કી શેખ દેશ સે જોડેને વાલી

કટરા-શ્રીનગર વંદે ભારત એક્સપ્રેસ

મેં પિછળે છથે દિનોને કુર્સિક્રો

બુકિંગ ઇન્સ્ટ્રુક્શન કી હોઈ હૈ અને આગામી

દી હજુનોને કે લિએ સીટે ભી એડવાંસ

મેં બુક હો ગઈ હૈ રેલેવે સૂચ્યો કે

મુાલિક દનું આપને દર્દોને કે

લિએ પૂરી રહેસે ભરી હોઈ હૈ

કટરા-શ્રીનગર-કટરા દોનો

દિશાઓને ચલાને વાલી દો વંદે

ભારત એક્સપ્રેસ દ્રેને 26 જુન નો

કોંસ્ટ્રોક્ષેપ્ટ સ્ટ્રોન્ડેન્ટ અંને એક એક્સપ્રેસ

બુક હો ગઈ હૈ

તીન જુલાઈ સે શુલ્ક

દી હોય હૈ

विमान सुरक्षा पर गंभीर सवाल

गुरुवार का काला दिन, जिसमें दो सौ से भी ज्यादा जिंदगी लील ली, लेकिन हमें अभी तक ऐसी घटनाओं से सबक नहीं लिया है। आखिर कब तक ऐसे ही निर्दोष लोगों की जान तोड़ी रहेंगी। गुरुवार के अहमदाबाद एयरपोर्ट पर एयर इंडिया का बा. इंग 787 डीमलाइनर प्लॉन क्रैश हुआ है। इसमें गुरुवार के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी समेत 242 यात्री सवार थे, सभी की मौत हो गई। अभी तक देखने में आया है कि घटना होने के बाद ही शासन-प्रशासन हरकत में आता है। इससे पहले भी ऐसी ही घटनाएं हुई हैं, लेकिन उनसे हमारी सरकार ने कोई सबक नहीं सीखा है। बारत में विमान हादसों का लंबा इतिहास रहा है, जिन्होंने देश को झकझोर दिया। इन हादसों ने न केवल सैकड़ों चिंगियों को छीना, बल्कि विमान सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े किए। इससे पहले हरियाणा के चर्ची दारी में सऊदी और एयरलाइंस और कजाकितान एयरलाइंस के विमानों की मिड-एयर टकर हुई थी, जिसमें 349 लोगों की मौत हुई थी, जबकि अटर्लाईट महासार, आयरलैंड तट पर विमान में खालिस्तानी आतकी हमले में बम विस्फोट हुआ था, जिसमें 329 लोगों की जान गई थी। मुंबई में अब सागर पर एयर इंडिया फ्लाइट में जनवरी 1978 में टेकआफ के बाद फेल्योर होने के कारण 213 लोगों की मौत हुई थी और भी ऐसे हादसे हैं, जिन्होंने देश को झकझोरा है, लेकिन नागरिक उड़ड़यन विभाग ने कोई सबक नहीं सीखा है। आखिर ये हादसे क्यों होते हैं, ये जाना भी जरूरी है कई बार देखने के मिलता है कि विमान का इंजन फेल हो जाता है, नेविगेशन सिस्टम में खराक हो जाती है या लैंडिंग गियर या विस्तर में गड़बड़ी हो जाती है। जब भी विमान की वजह से विमान क्रैश होता है। कई बार पायलट की गलती या एयर टैकिफ कंट्रोल में हुई छूक की वजह से प्लैन क्रैश हो जाता है। इसके अलावा कई बार प्लैन उड़ा रहे पायलट के अनुभव की कमी की वजह से उसके द्वारा लिए गए गलती से लेने के बाद एयर टैकिफ कंट्रोल में हुई छूक या टेक्निकल स्टाफ से हुई छूक भी विमान के क्रैश होने की काफी ज्यादा बढ़ा देती है। तेज अंधी तूफान, बिजली, भारी बाढ़ खारब मौसम में टर्बुलेंस की वजह से विमान नियंत्रण से बाहर चला जाता है, विमान क्रैश होता है। तेज अंधी तूफान में अभियान के अनुभव की कमी की वजह से वह हादसे का शिकार हो जाता है। जब भी विमान हादसा होता है, तो संबंधित जांच विभाग दुर्घटना के कारणों की जांच में जुट जाते हैं। हादसे के जांच होना तो लाजमी है, परंतु जब-जब विमान हादसे होते हैं और हादसों की जांच की रिपोर्ट आती है, तो क्या वास्तव में इन रिपोर्टों से सबक लिए जाते हैं कि भविष्य में ऐसे हादसे न हों। क्या विश्व भर के नागरिक उड़ड़यन मत्रालय व उड़से संबंधित विभाग और एयरलाइंस इन रिपोर्टों को गंभीरता से लेते हैं।

हस्तक्षेप की सीमा और नर्यादा होनी चाहिए

ज्यूडिशियल रिप्पू (न्यायिक समीक्षा) की शक्ति का इस्तमाल सर्वयोग से करना चाहिए, ऐसा तभी हो, जब कोई कानून संविधान के मूल ढाँचे का उल्लंघन करते हैं, कई बार आप (कोई) सीमाओं को पर करने की कोशिश करते हैं और वहां घुसने की कोशिश करते हैं, जहां आमतौर पर न्यायालिकों के प्रवेश नहीं होता है। जब इंडिशियल अलर्निंस जरूरी है, लेकिन इस ज्यूडिशियल ट्रेरिंग में ही बदलना चाहिए, जब विधायिकों और कार्यालयों के अधिकारियों की रक्षा करने में असफल रहती है, तब न्यायालिकों को हस्तक्षेप करना पड़ता है, लेकिन इस हस्तक्षेप की सीमा और नर्यादा होनी चाहिए।

जिस्टिस बीबी गवर्नर
चीफ जिस्टिस ऑफ इंडिया



वायरल और प्रसिद्ध होने के लिए कुछ भी!

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया ने लोगों को अपनी बात दुर्निया तक पहुंचने का एक शक्तिशाली मंच प्रदान किया है। यह मंच जहां एक अंतर्राष्ट्रीय कानून संविधान के संदर्भ में कैफैलाने का अवकर देता है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग इस मंच का दुरुपयोग भी कर रहे हैं। एक चिंतितानक प्रवृत्ति जो हाल के वर्षों में उभरी है, वह है सार्वजनिक स्थानों पर अश्लीलता के जरूरी वायरल होने और प्रसिद्ध हासिल करने के कारण। यह न केवल समाजिक मूल्यों को ठेस पहुंचाता है, बल्कि समाज में नैतिकता और संस्कृति के लिए कोई भी गंभीर खतरा पैदा करता है।

सोशल मीडिया पर वायरल होने की होड़ ने कई लोगों को गलत रास्ते पर धकेल दिया है। कुछ लोग त्वरित प्रसिद्धि के लिए सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील व्यक्तिगत स्वतंत्रता को आपसी अभियान करते हैं और इस रिकॉर्ड करने के अनलाइन डाल देते हैं। उदाहरण के तौर पर, कुछ युवा सार्वजनिक स्थानों जैसे मेट्रो, बस, पार्क या बाजारों में अश्लील व्यक्तिगत क्रैश करते हैं, ताकि लोग उनकी बीड़ियों या खासियों को अपनी बीर्दी की रक्षा कर सकते हैं। यह एक नकाल समाजिक मूल्यों को ठेस पहुंचाता है, जबकि सार्वजनिक स्थानों जैसे सामाजिक समाजों की नैतिकता और संस्कृति के लिए कोई भी कमज़ोर करता है।

इस तरह की सामग्री को अक्सर किलकर्टे के रूप में इस्तमाल किया जाता है, जबकि यह लोगों का ध्यान तुरन्त खींचती है, लेकिन यह प्रवृत्ति समाज के लिए उन्हें खासियों को संप्रभावित हो सकते हैं और इसे

भा. रतीय संस्कृति में पिता का स्थान आकर्षित हो जाता है, पिता की धर्मी है, पिता ही संबंधित है, पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा है, एक प्रकाश है और सोंदेवनाओं के पुंज हैं। इसके द्वारा दर्शने और पिता विवाह के लिए एक व्यक्तियों के योगान को सम्मान देने के लिए हर साल जून महीने के तीसरे रविवार को अंतर्राष्ट्रीय पिता दिवस यानी का फार्डर्स डे मनाया जाता है।

इस साल 15 जून 2025 को भारत समेत विवरभर में यह दिवस मनाया जाएगा। फार्डर्स डे 2025 का आधिकारिक थीम पिता: लाचीलेपन का पोषण और भविष्य को आकार देना है। यह थीम हमारी जीवन में पिताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालती है, जो बच्चों में सकारात्मक भावनाओं और सामाजिक विकास को बढ़ावा देते हैं। दुनिया के अलग-अलग दिनों के लिए एक व्यक्ति के कारण उत्साह एवं उत्साह से यह दिवस मनाया जाता है। यह एक ऐसा दिन है जिसे अपनी पिता के सम्मान के लिए मनाया जाता है, साथ ही पितृत्व, पैतृत्व और धन्देश के लिए समाज में पिताओं के प्रभाव को भी याद किया जाता है। हिन्दू परंपरा के मूलत्वाकारिक पिता दिवस भारतप्रद महीने की सर्वार्थीत अनामस्य के लिए होता है। पिता एसा दिन है जिसे अपनी पिता के सम्मान के लिए एक व्यक्ति को जीवन की बावजूद सामाजिक विकास को बढ़ावा देता है। पिता और बच्चों का दूरियां बढ़ावा देता है।

प्रासांगिकता है। मानवीय रिश्तों में दुनिया में सबसे बड़ा स्थान मां को दिया जाता है, लेकिन एक बच्चे को बड़ा और सध्य बनाने में उसके पिता का योगदान के कारण नहीं आंचा जा सकता। पिता नीम के पेंड जैसा होता है उसके पत्ते भले ही कड़वे होते हैं पर वो छाया ठड़ी देता है। पिता और बच्चों का दूरिया देता है। समाज में अपनी एक तरह से अहमियत न समझा जाने के कारण हमारे पिता है। एक तरफ पिता बच्चों को डांटते हैं, तो दूसरी तरफ बच्चों से बेहद प्रेम भी करते हैं। पिता अपने बेटे की चाचा पर व्यक्ति हो जाता है तो लेना चाहता है और न ही उनकी राय को भलत्व देता है। समाज में अपनी एक तरह से अहमियत न समझा जाने के कारण हमारे पिता है।

सानेरा डो बच्चे नहीं-सी थी, जैसी उनकी मां को देहांत हो गया। पिता विलियम स्मार्ट ने सानेरों के जीवन में मां की कमी नहीं मांस्य स्थानीय बदलाव देता है। ये जानी भी जरूरी है कई बार देखने के मिलता है कि विमान का इंजन फेल हो जाता है, नेविगेशन सिस्टम में खराक हो जाती है या लैंडिंग गियर या विस्तर में गड़बड़ी हो जाती है। जब भी विमान की वजह से विमान क्रैश होता है। ताकि बटों उसे देखने का पाठ सीखें, सख्त एवं निंदर बनकर बच्चों की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों में पिता को देवतुल्य माना जाया है। हमारे प्रथमों में माता-पिता और गुरु तीनों को ही देवता माना जाया है।

आधुनिक समाज में पिता-पुत्र के संबंधों की आंच और उनकी संस्कृति को जीवन बदलने की अपेक्षा है। हाँ पिता अपने पुत्रों के नियंत्रण के साथ भर्ता और अपनी की ओर रवाना होता है। ये जानी भी जरूरी है कि विमान का गम्भीर अपराधिक और सुखमय दृष्टिकोण से उसके नियंत्रण के लिए उत्साही बदलाव देता है। ये जानी भी जरूरी है कि विमान का गम्भीर अपराधिक और सुखमय दृष्टिकोण से उसके नियंत्रण के लिए उत्साही बदलाव देता है। ये जानी भी जरूरी है कि विमान का गम्भीर अपराधिक और सुखमय दृष्टिकोण से उसके नियंत्रण के लिए उत्साही बदलाव देता है।

पिता विलियम स्मार्ट ने एक बच्चे को देखने में अपनी अपेक्षा है। हाँ पिता अपने पुत्रों के नियंत्रण के साथ भर्ता और अपनी की ओर रवाना होता है। ये जानी भी जरूरी है कि विमान का गम्भीर अपराधिक और सुखमय दृष्टिकोण से उसके नियंत्रण के लिए उत्साही बदलाव देता है। ये जानी भी जरूरी है कि विमान का गम्भीर अपराधिक और सुखमय दृष्टिकोण से उसके नियंत्रण के लिए उत्साही बदलाव देता है।

आधुनिक समाज में पिता-पुत्र के संबंधों की आंच और उनकी संस्कृति को जीवन बदलने की अपेक्षा है। हाँ पिता अपने पुत्रों के नियंत्रण के साथ भर्ता और अपनी की ओर रवाना होता है। ये जानी भी जरूरी है कि विमान का गम्भीर अपराधिक और सुखमय दृष्टिकोण से उसके नियंत्रण के लिए उत्साही बदलाव देता है

